वसीयतनामा (बिना मालियती)

(जो लागू न काट दें)

मैं/हम.....पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री.....,
आयु-वर्ष.....निवासी ग्राम/मौहल्ला.....भवन संख्या.....
आज दिनांक .....को.....(स्थान) में एतदद्वारा निम्नलिखित अभिकथन करता हूँ/करते है-

1. मैं/हम.....निम्न वर्णित सम्पत्ति का/के पूर्ण स्वामी हूँ/हैं।
2. सम्पत्ति का विवरण निम्नवत हैः-

सम्पत्ति- कृषि भूमि/भूखण्ड/भवन
मोहल्ला/ग्राम.....
परगना/ वार्ड.....तहसील.....जिला.....
कृषि भूमि/भूखण्ड की खसरा संख्या/भूखण्ड संख्या...../भवन संख्या.....
चौहद्दी-पूरब.....पश्चिम.....उत्तर.....दक्षिण.....
क्षेत्रफल ..... (वर्ग मीटर/ हे०)
निर्माण का क्षेत्रफल (यदि कोई हो).....(वर्ग मीटर)

3. मेरे/हमारे पक्ष में उक्त अचल सम्पत्ति के मालिकाना हक से सम्बन्धित विलेख के पंजीकरण का विवरण निम्नवत हैः-

1- उप निबन्धक कार्यालय .....
2- पंजीकरण का दिनांक.....
3- बही नम्बर 1/3 की जिल्द संख्या.....
4- विलेख की पंजीकरण संख्या.....

अथवा

उक्त अचल सम्पत्ति विक्रेता/विक्रेतागण को वरासतन प्राप्त हुई है।

अथवा

उक्त अचल सम्पत्ति का स्वामित्व विक्रेता/विक्रेतागण को मा० न्यायालय..... द्वारा वाद संख्या.....में पारित निर्णय दिनांक.....के प्रभाव से प्राप्त हुआ है।

(नोट-सम्बन्धित अचल सम्पत्ति के मालिकाना हक/स्वामित्व के सम्बन्ध में निष्पादक उपरोक्त 03 विकल्पों में से कोई एक चुन सकते हैं अथवा यदि सम्बन्धित अचल सम्पत्ति का स्वामित्व निष्पादक को किसी अन्य विधिक प्रक्रिया के द्वारा प्राप्त हुआ है तो उपरोक्त विकल्पों के स्थान पर उनका विवरण दिया जा सकता है।)

4. मेरी/हमारी इच्छा है कि मेरी/हमारी मृत्यु के उपरान्त मेरी/हमारी उक्त वर्णित सम्पत्ति का हक अधिकार व स्वामित्व श्री/श्रीमती/कु०..... पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री....., निवासी-.....को प्राप्त हो।

5. मैंने/हमने.....यह वसीयत श्री/श्रीमती/कु०.....के पक्ष में प्राकृतिक प्रेम एवं स्नेह के आधार पर निष्पादित की है और इस वसीयत के बदले कोई प्रतिफल प्राप्त नहीं किया गया है।

6. जब तक मै/हम जीवित हूँ/हैं तब तक उक्त वर्णित सम्पत्ति के मालिक व काबिज रहेंगे तथा मेरी/हमारी मृत्यु के उपरान्त मेरी/हमारी उक्त वर्णित सम्पत्ति के मालिक व काबिज श्री/श्रीमती/ कु०..... पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री....., निवासी-.....रहेंगे। मेरी/हमारी मृत्यु के पश्चात श्री/श्रीमती/ कु०.....इस सम्पत्ति पर वही हक प्राप्त होंगे जो आज हमें प्राप्त है।

7. उक्त वर्णित सम्पत्ति के सम्बन्ध में मेरे/हमारे द्वारा आज तक कोई वसीयत नही की गई है, जो कि विधिक रूप से विद्यमान हो। यदि ऐसी कोई वसीयत मेरे/हमारे मरणोपरान्त पंजीकृत/अपंजीकृत पायी जाये तो वह निष्प्रभावी/अमान्य होगी।
8. यह वसीयतनामा मेरी/हमारी मृत्यु के उपरान्त प्रभावी होगा।
9. अन्य विवरण.....

(नोट- वसीयतनामे से सम्बन्धित सम्पत्ति अथवा अन्य किसी विषय के सम्बन्ध में निष्पादक कोई अन्य तथ्य वर्णित करना चाहते हैं तो वे बिन्दु संख्या-9 में वर्णित कर सकते हैं।)

अस्तु यह वसीयतनामा मैंने/हमने पूर्ण होशो-हवाश में व स्वस्थ मनः स्थिति में बिना किसी जोर व दबाव के निम्न साक्षियों की उपस्थिति में निष्पादित कर दिया जिससे कि वक्त जरूरत काम आये।

हस्ताक्षर (निष्पादक/वसीयतकर्ता)
नाम.....
पहचान पत्र का प्रकार/संख्या.....

साक्षियों का विवरण

1. हस्ताक्षर
नाम.....पुत्र/पुत्री/पत्नी.....
निवासी.....
पहचान पत्र का प्रकार/संख्या.....

2. हस्ताक्षर
नाम.....पुत्र/पुत्री/पत्नी.....
निवासी.....
पहचान पत्र का प्रकार/संख्या.....